नीरव मोदी-मेहुल चोकसी के खिलाफ 7 देशों में जारी एलआरएस

नई दिल्ली (आरएनएस)। पंजाब नेशनल बैंक में 14000 करोड़ रुपए से अधिक का घोटाला सामने आने के बाद नीरव मोदी की धरपकड़ के लिए केंद्र सरकार लगातार कोशिशों में जुटी है। ईडी सूत्रों के अनुसार सात देशों को लेटर रोगेटरी (एलआरएस) भेजा गया है। यह लेटर नीरव मोदी और मेहुल चौकसी के खिलाफ भेजा गया है। ईडी ने यह लेटर उन देशों को भेजा है जहां नीरव मोदी और मेहुल चौकसी का बिजनेस है या फिर उनकी प्रॉपर्टी है। गौरतलब है कि नीरव मोदी और मेहुल चोकसी पंजाब नेशनल बैंक का घोटाला सामने आने के बाद फरार चल रहे हैं। सीबीआई और ईडी ने दोनों के तमाम ठिकानों पर छापेमारी की और उनकी संपत्ति को सीज कर दिया है। हाल ही में नीरव मोदी ने ईडी को पत्र लिखकर कहा था कि उनका पासपोर्ट सीज कर दिया गया है, ऐसे में वह कैसे आ सकते हैं। उन्होंने कहा था कि मेरे पक्ष को जाने बगैर ही मेरे खिलाफ कार्रवाई की गई। वहीं मेहुल चोकसी ने भी पासपोर्ट रद्द होने का हवाला देते हुए भारत आने में असमर्थता जाहिर की थी। गौरतलब है कि पीएनबी घोटाले से सबक देते हुए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने लेटर ऑफ एंडरटेकिंग और लेटर ऑफकंफर्ट पर फौरन रोक लगा दी है। आरबीआई ने बैंकों की ओर से जारी होने वाले स्वन् और स्वब् पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। अपने सर्कुलर में आरबीआई ने कहा है कि बैंक अब लेटर ऑफ एंडरटेकिंग और लेटर ऑफ कंफर्ट जारी नहीं करेंगे। आरबीआई ने बैंकों के ट्रेड क्रेडिट को रिव्यू करने के बाद स्वन् और स्वब् और बैंक गारंटी के गाइडलाइंस में संशोधन किया है।

सेना के आधुनिकीकरण में बाधा बन रही है फंड की कमी

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। टॉप सैन्य अधिकारियों ने डिफेंस बजट को लेकर फंड की कमी पर संसद की स्थायी समिति (रक्षा) से गहरी चिंता जताई है। अफसरों ने कहा है कि डिफेंस बजट में मामूली वृद्धि से शायद ही महंगाई पर कोई असर पड़ता हो। दरअसल, उनकी चिंता इस बात को लेकर है कि भारतीय सशस्त्र बलों में अत्याधुनिक हथियारों और पुराने उपकरणों के बीच बड़ा असंतुलन बना हुआ है। मॉडर्न मिलिटरी के पास सामान्य तौर पर उसके हथियारों और उपकरणों का 30 प्रतिशत स्टेट-ऑफ-द-आर्ट टेक्नॉलजी कैटिगरी, 40 प्रतिशत करंट टेक्नॉलजी और 30 प्रतिशत विंटेज कैटिगरी का होना चाहिए। चिंता की बात यह है कि 12 लाख जवानों से भी बड़ी भारतीय सेना के पास 8 प्रतिशत स्टेट-ऑफ-द-आर्ट, 24 प्रतिशत करंट और 68 प्रतिशत विंटेज कैटिगरी के हथियार मौजूद हैं, जबकि सेना को पाकिस्तान से लगातार फायरिंग और घुसपैठ का सामना करना पड़ रहा है। पिछले साल डोकलाम प्रकरण के बाद चीन के साथ भी तनाव काफी बढ़ गया था। सेना इसे 2 मोर्चों पर जंग के हालात की तरह ले रही है और यह खतरा अभी बरकरार है। रक्षा मामलों की संसदीय समिति को सेना के उपप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल शरत चंद ने कहा, 2018-19 के बजट ने हमारी उम्मीदों को धराशायी कर दिया... मामूली वृद्धि मुद्रास्फीति के लिए मुश्किल से जिम्मेदार होती है और करों के प्रबंध की भी जरूरत नहीं होती है। गौरतलब है कि आधुनिकीकरण के लिए 21,338 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। सेना के पास पहले से चल रही उसकी 125 योजनाओं और डील्स के लिए जरूरी 29,033 करोड़ रुपये की किस्तों के लिए भी पर्याप्त धन नहीं है। इसमें उड़ी आतंकी हमले और 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक्स के मद्देनजर हथियारों की खरीद प्रक्रिया भी शामिल है, जिससे लगातार 10 दिनों तक जंग के हालात के लिए हथियार और गोला-बारूद रिजर्व रखा जा सके। ऐसी ही हालत चीन सीमा पर सड़क और ढांचागत विकास को लेकर है। लेफ्टिनेंट जनरल चंद ने कहा, हमने सेना में मेक इन इंडिया पॉलिसी के लिए भी 25 प्रॉजेक्ट्स की पहचान की है। हालांकि हमारे पास पर्याप्त बजट ही नहीं है कि हम उसे सपोर्ट कर सकें।

परिणामस्वरूप, इनमें से कई को बंद करना पड़ सकता है। आईएएफ, नेवी और कोस्ट गार्ड के टॉप अफसरों ने इसी तरह की चिंताजनक स्थिति के बारे में आगाह किया है। सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और दिन-प्रतिदिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए फंड की कमी को लेकर कमिटी ने सरकार की आलोचना की है। बीजेपी लीडर मेजर जनरल बीसी खंडूरी की अध्यक्षता वाली कमिटी ने मंगलवार को संसद में पेश की गई अपनी कई रिपोर्टों में कहा है, हमें इस निराशाजनक हालात की जानकारी मिलने से बड़ा धक्का लगा। हमारी सेनाओं के ही प्रतिनिधियों ने खुद स्पष्ट किया है कि पर्याप्त फंड नहीं होने के कारण किस तरह के नेगेटिव परिणाम सामने आ सकते हैं। हालात काफी गंभीर हैं। यहां तक कि रक्षा सचिव संजय मित्रा ने भी कमिटी के समक्ष स्वीकार किया है कि वित्त मंत्रालय रक्षा मंत्रालय का उसकी जरूरतों के हिसाब से सहयोग नहीं कर रहा है। गौरतलब है कि नेट डिफेंस बजट 2018-19 के लिए 2.79 लाख करोड़ आवंटित किया गया है, जो जीडीपी का केवल 1.49 प्रतिशत है। यह आंकड़ा चीन के साथ 1962 में हुई जंग के बाद सबसे कम है।

सेंटनर के घुटने में चोट, आईपीएल से बाहर

वेलिंगटन (आरएनएस)। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर के घुटने में चोट है जिसके लिये वह इसी माह सर्जरी कराएंगे, ऐसे में वह न सिर्फ इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज़ से बाहर रहेंगे बल्कि अगले महीने से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी उनकी अनुपस्थिति तय है। न्यूजीलैंड टीम ने बताया कि सेंटनर को घुटने की सर्जरी के बाद करीब नौ महीने तक क्रिकेट से दूर रहना होगा। ऐसे में वह आगामी टेस्ट सीरीज़ में नहीं खेलेंगे। सेंटनर को इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवर सीरीज़ के दौरान खेलने में परेशानी के

बाद उनका स्कैन कराया गया था जिसमें उनकी हड्डी में गड़बड़ी का पता चला है। लगातार खेलने के कारण उनकी चोट अब गंभीर हो गयी है और उन्हें सर्जरी की तुरंत जरूरत है। न्यूजीलैंड के कोच माइक हैसन ने कहा कि हम सभी को मिशेल के लिए काफी दुख है। वह ड्रैसिंग रूम में काफी लोकप्रिय हैं और सभी उनका सम्मान करते हैं। वह सभी तीनों प्रारूपों में टीम के मुख्य खिलाड़ी हैं और टेस्ट सीरीज़ में हमें उनकी कमी खलेगी। टीम के कोच गैविन लार्सन ने कहा कि मिशेल के लिये उनका इलाज कराना अभी ज्यादा जरूरी है और हमें यकीन है कि अगले 18 महीनों में अहम टूर्नामेंटों के लिये वह टीम में वापसी कर लेंगे। सेंटनर की जगह लेग स्पिनर टॉड एस्ले को 22 मार्च से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज़ के लिये टीम में शामिल किया गया है। चोट के कारण सेंटनर का आगामी आईपीएल ट्वंटी 20 लीग से बाहर रहना भी तय है। वह आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ी हैं। इसके अलावा वह डर्बीशायर के लिये पहले काउंटी सत्र में भी नहीं खेल सकेंगे।

मिनर्वा पैसा चुकाने को तैयार, सुपर कप में खेलने की सम्भावना

कोलकाता ,(आरएनएस)। इस साल आई-लीग का खिताब अपने नाम करने वाली मिनर्वा पंजाब एफसी ने मंगलवार को कहा कि वह

अपने खिलाड़ियों के वेतन को जल्दी ही चुकाएगी। उसने कहा है कि जैसे ही उसे अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) से अपना बकाया मिलेगा उसके तुरंत बाद वह खिलाड़ियों का बकाया चुकता कर देगी। पंजाब के इस क्लब ने सुपर कप में खेलने की भी उम्मीद जगाई है। इससे पहले क्लब ने इस कप में खेलने की मनाही की थी। सूत्रों से पता चला था कि क्लब के कई भारतीय खिलाडियों को उनका वेतन महीनों से नहीं मिला था। क्लब के मालिक रंजीत बजाज की पत्नी हिना ने कहा, हां, यह सही है कि हमारे कुछ खिलाडियों को कुछ महीनों से उनका वेतन नहीं मिला था। हम जल्द से जल्द खिलाडियों का बकाया चुकता करेंगे। हमारी कोशिश इस सप्ताह के अंत तक उनका वेतन देने की है। एआईएफएफ से हमें कुछ बकाया मिलना है और जैसे ही हमें वो बकाया मिल जाएगा हम खिलाडियों को उनका हिस्सा दे देंगे। मिनर्वा ने सभी को हैरान करते हुए इस साल आई-लीग का खिताब जीता है। सूत्रों से पता चला था कि हिना खिलाडियों का बकाया चुकता किए बिना ही छुट्टियां बनाने के लिए मालदीव रवाना हो चुकी हैं। इस पर हिना ने कहा, हम मालदीव नहीं जा रहे हैं। हम यहीं हैं और हमारी प्राथमिकता खिलाडियों का बकाया चुकता करने की है।सूत्र के मुताबिक, विदेशी खिलाडियों को हालांकि क्लब ने उनका पैसा दे दिया है। एआईएफएफ को मिनर्वा को एक करोड़ रुपये देने हैं। हिना ने कहा कि आई-लीग की ईनामी राशि भी बकाया है। हिना के मुताबिक, हम सुनंदो धर से आज मिले थे और उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि वह जल्द ही पैसा दे देंगे। हमारे पास अभी थोड़ी पैसों की कमी है लेकिन हम जल्द से जल्द खिलाडियों को पैसा देना चाहते हैं।सुपर कप में हिस्सा लेने पर हिना ने कहा, हम सुपर कप में हिस्सा ले सकते हैं। हमारी आज की बैठक अच्छी रही।सुपर कप क्वालीफायर्स 31 मार्च से शुरू हो रहे हैं। इनका फाइनल राउंड 20 अप्रैल तक चलेगा। मिनर्वा को अपना पहला मैच आईएसएल की नई टीम जमशेदपुर एफसी के खिलाफ दो अप्रैल को कलिंगा स्टेडियम में खेलना था।

15 अप्रैल को हरे रंग की जर्सी पहनेगी रॉयल चैलेंजर्स

कोलकाता(आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 11वें संस्करण में 15 अप्रैल को विराट कोहली की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ रॉयल

चैलेंजर्स बेंगलोर की टीम हरे रंग की जर्सी में मैदान पर उतरेगी। राजस्थान रॉयल्स ने नुवोको विस्तास कोर्पोरेट लिमिटेड के साथ मंगलवार को अपनी साझेदारी की घोषणा की। नुवोको विस्तास अब राजस्थान रॉयल्स के प्रमुख साझेदारों में शुमार हो गया है। ऐसे में जर्सी के पीछे के हिस्से में कंपनी का लोगो नजर आएगा। अपने ब्रैंड ड्यूरागार्ड सीमेंट के साथ आयोजकों ने अपने प्वो ग्रीनज पहल के लिए तारीख की घोषणा की। इस कार्यक्रम का आयोजन हर सीजन में होता है, जिसमें कोहली अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम को एक पौधा देते हैं और जर्सी में खिलाडियों के नाम ट्विटक अकाउंट पर जारी किए जाते हैं। इस बारे में कंपनी की विपणन और पहल विभाग की प्रमुख मधुमिता बसु ने कहा, हम हरित पहल का समर्थन करते हैं और इस साल 15 अप्रैल को मैच हो रहा है, जब राजस्थान रॉयल्स का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से होगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर आठ अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में खेले जाने वाले मैच के साथ आईपीएल का आगाज करेगा।

टीम इंडिया आज पक्का करने उतरेगी फाइनल का टिकट

कोलंबो (आरएनएस)। निदाहास ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की करने से टीम इंडिया सिर्फ एक कदम दूर है। अगर टीम आज को बांग्लादेश पर

जीत दर्ज करती है, तो टीम इंडिया इस खिताबी मुकाबले के फाइनल में होगी। बांग्लादेश के खिलाफ टीम इंडिया आज तक एक भी टी20 इंटरनैशनल मैच नहीं हारी है। भारतीय टीम सीरीज में तीन मैच खेल चुकी है, जिसमें से उसने दो जीते हैं जबकि बांग्लादेश और श्री लंका टीम ने एक-एक मैच जीता है। भारतीय टीम में कुछ स्थापित खिलाड़ी शामिल नहीं हैं, लेकिन मनीष पांडे, दिनेश कार्तिक, शार्दुल ठाकुर, वॉशिंगटन सुंदर और जयदेव उनादकट ने मौके का फायदा उठाते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है। प्लस में है टीम इंडिया भारतीय टीम फाइनल में पहुंचने के लिए 16 मार्च को श्री लंका और बांग्लादेश के बीच खेले जाने वाले मैच के नतीजे पर निर्भर नहीं रहना चाहेगी। इसका सबसे अच्छा तरीका है कि वह बांग्लादेश को आज हरा दे ताकि उसके चार मैचों में छह पॉइंट्स हो जाएं। एक अच्छी बात यह भी है कि भारत का नेट रन रेट प्लस (+0.210) में है, जबकि श्री लंका (-0.072) और बांग्लादेश (-0.231) का माइनस में। जब मैच अहम हो तब अकसर यह देखा जाता है कि टीमें विनिंग कॉम्बिनेशन से छेड़छाड़ नहीं करतीं। भारतीय टीम भी इसी तर्ज पर उन 11 खिलाड़ियों को दोबारा मैदान पर उतार सकती है जो सोमवार को श्रीलंका के खिलाफ मैच में खेले थे। रोहित और रैना पर नजरें निजी तौर पर साउथ अफ्रीका के खराब दौरे के बाद उम्मीद की जा रही थी सब-कॉन्टिनेंट में रोहित शर्मा एक बार फिर से धमाल करेंगे। मगर, सीरीज के पिछले मैचों में उन्होंने निराश ही किया है। साउथ अफ्रीका की धरती पर 3 टी20 मैचों में 32 रन ही बना सके रोहित मौजूदा श्री लंका दौरे पर 3 टी20 मैचों में 28 रन ही बना सके हैं। पिछले 6 टी20 मैचों में 60 रन उस बैट्समैन के लिए कतई आदर्श स्थिति नहीं है, जिसने खेल के तीनों फॉर्मेट में सेंचुरी जड़ने के अलावा टी20 इंटरनैशनल मैचों में 1700 से ज्यादा रन बनाए हैं। सुरेश रैना ने साउथ अफ्रीका और श्री लंका दौरे को मिलाकर कुल 6 टी20 मैचों में 145 रन बनाए हैं। रैना अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पा रहे हैं। आज उनके लिए बड़ा मौका होगा। बैटिंग ऑर्डर में बदलाव! यह देखना होगा कि क्या रोहित पारी की शुरुआत करने के लिए लोकेश राहुल को भेजकर खुद चौथे नंबर पर उतरते हैं या नहीं। आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए वह इसी बैटिंग पोजिशन पर आमतौर पर खेलते हैं। रोहित ने कुल सात टी20 इंटरनैशनल मैचों में नंबर चार पोजिशन पर बैटिंग की है और दो हाफ सेंचुरी सहित 181 रन बनाए हैं।

थोक मंहगाई दर में गिरावट, 7 महीने के निचले स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। खाद्य वस्तुओं और सब्जियों की कीमतों में नरमी के कारण थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति फरवरी में 7 महीने के निचले स्तर 2.48 प्रतिशत पर आ गई है। जबकि जनवरी में थोक मुद्रास्फीति 2.84 प्रतिशत और फरवरी 2017 में 5.51 प्रतिशत थी। फरवरी में थोक मुद्रास्फीति का 2.48 प्रतिशत पर रहना 7 माह का निम्न स्तर है। पिछला निम्न स्तर जुलाई में 1.88 प्रतिशत दर्ज किया गया था। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति फरवरी में गिरकर 0.88 प्रतिशत पर आ गई है, जनवरी में थोक खाद्य मुद्रास्फीति 3 प्रतिशत थी। फरवरी में सब्जियों की मुद्रास्फीति में नरमी रही। सब्जियों की थोक मुद्रास्फीति फरवरी में 15.26 प्रतिशत रही जो जनवरी में 40.77 प्रतिशत थी। फरवरी में दाल-दलहनों के दाम पिछले साल की तुलना में 24.51 प्रतिशत नीचे चल रहे थे। इसी तरह मोटे अनाज और गेहूं के दामों में भी नरमी रही। अंडे, मांस और मछली की थोक कीमतों में भी गिरावट रही।आंकड़ों के मुताबिक, ईंधन और बिजली वर्ग में भी फरवरी में मुद्रास्फीति नरम होकर 3.81 प्रतिशत रही। जनवरी में इस वर्ग की मुद्रास्फीति 4.08 प्रतिशत थी।

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 217 और निफ्टी 70 अंक टूटा

नई दिल्ली (आरएनएस)। दुनियाभर से मिल रहे कमजोर रुख के कारण बुधवार को देश के शेयर बाजार में बुधवार को गिरावट का रुख रहा. सेंसेक्स दोपहर करीब 12.30 बजे 217 अंक टूटकर 33,640 के स्तर पर कारोबार कर रहा है. वहीं निफ्टी 70 अंक गिरकर 10,356 के स्तर पर चल रहा है. इससे पहले धातु, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और रीयल्टी क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 150 अंक गिरा जबकि निफ्टी 10,400 के नीचे चला गया. अमेरिकी शेयर बाजार में भी गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रेक्स टिलरसन को विदेश मंत्री के पद से हटाने के चलते अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट के बाद एशियाई बाजारों में भी यही रुख देखने को मिला. बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक 166.17 अंक यानी 0.49 प्रतिशत गिरकर 33,690.61 अंक पर आ गया. मंगलवार को सेंसेक्स 61.16 अंक गिरा था. वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी शुरुआती दौर में 37.90 अंक यानी 0.36 प्रतिशत गिरकर 10,388.95 अंक पर आ गया था. बाजार में इस कारण गिरावट ब्रोकरों ने कहा कि एशियाई बाजारों में गिरावट और चीन पर नए शुल्क लगाने की योजना के चलते बाजार में नकरात्मक रुख बना रहा. एशियाई बाजारों में हांग कांग का हेंग सेंग सूचकांक शुरुआती कारोबार में 1.18 प्रतिशत नीचे और जापान का निक्केई सूचकांक 1.03 प्रतिशत गिर गया. शंघाई कंपोजिट सूचकांक भी 0.46 प्रतिशत नीचे रहा. कारोबार के दौरान बैंकिंग, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस और पावर शेयरों में बिकवाली दिख रही है.

डीटीएच यूनिट में ज्यादा हिस्सेदारी बेचेगा एयरटेल

कोलकाता (आरएनएस)। देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी भारती एयरटेल अपनी डायरेक्ट टू होम (डीटीएच) यूनिट भारती टेलिमीडिया में अधिक हिस्सेदारी बेच सकती है। कंपनी की योजना की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि हिस्सेदारी बेचने से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल रिलायंस जियो इंफोकॉम को टक्कर देने के लिए किया जाएगा। कंपनी को बोर्ड से भारती टेलिमीडिया में 19 पर्सेंट हिस्सेदारी पूर्ण मालिकाना हक वाली नेटल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट्स में ट्रांसफर करने की अनुमति मिली है। इससे पहले जनवरी 2018 में 25 पर्सेंट हिस्सेदारी ट्रांसफर की जा चुकी है। भारती एयरटेल ने मंगलवार को बीएसई को दी जानकारी में बताया कि भारती टेलिमीडिया में 19 पर्सेंट की हिस्सेदारी में से एक हिस्से का इस्तेमाल वॉरबर्ग पिंकस ग्रुप को टेलिमीडिया की हिस्सेदारी बेचने को पूरा करने के लिए किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि बाकी की हिस्सेदारी फंड जुटाने के लिए बेची जाएगी। इसके बावजूद एयरटेल का भारती टेलिमीडिया में मेजॉरिटी स्टेक बरकरार रहेगा। सोमवार को एयरटेल के बोर्ड ने कंपनी को डेट के जरिए लगभग 16,500 करोड़ रुपये जुटाने की अनुमति दी थी। इसमें विदेशी बॉन्ड के जरिए लगभग 65 अरब रुपये हासिल करना शामिल है। इस फंड का इस्तेमाल लोन की रिफाइनैंसिंग और स्पेक्ट्रम की पेमेंट के लिए होगा। बीएसई पर मंगलवार को भारती एयरटेल का शेयर 1.22 पर्सेंट की तेजी के साथ 425.90 रुपये पर बंद हुआ। भारती ग्रुप ने दिसंबर में अपनी डीटीएच यूनिट में 20 पर्सेंट हिस्सेदारी ग्लोबल प्राइवेट इक्विटी फर्म वॉरबर्ग पिनकस की एक यूनिट को लगभग 2,258 करोड़ रुपये में बेचने की घोषणा की थी। फिलिप कैपिटल के टेलिकॉम ऐनालिस्ट, नवीन कुलकर्णी ने कहा, यह एयरटेल की ओर से मार्केट को इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वह अपनी कीमती लेकिन नॉन-कोर बिजनेस में हिस्सेदारी बेचकर जियो का मुकाबला करने के लिए तैयार है। एक ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म के टेलिकॉम ऐनालिस्ट का कहना था कि एयरटेल के भारती टेलिमीडिया में अपनी 44 पर्सेंट हिस्सेदारी नेटल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट्स को ट्रांसफर करने से डीटीएच यूनिट में अधिक हिस्सेदारी सही वैल्यूएशन पर ग्लोबल कंपनियों को बेचने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। इससे पहले भारती एयरटेल ने अपनी टेलिकॉम टावर कंपनी भारती इन्फ्राटेल में 10.3 पर्सेंट हिस्सेदारी केकेआर, कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड के ग्लोबल कंसोर्शियम को बेचने से पहले भी भारती इन्फ्राटेल में अपने लगभग 40 करोड़ शेयर्स नेटल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट्स को ट्रांसफर किए थे। भारती इन्फ्राटेल में एयरटेल की लगभग 53.51 पर्सेंट हिस्सेदारी है।

एक लाख करोड़ रुपये से होगा 635 रेलवे स्टेशनों का विकास

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारतीय रेलवे के 635 स्टेशनों के विकास के लिए एक विचार प्रतियोगिता श्रीजन (संयुक्त कार्यवाही के माध्यम से स्टेशन संरक्षण पहल) शुरू की गई है, जिसके तहत एक लाख करोड़ रुपये के बड़े निवेश से स्टेशनों का विकास कार्य शुरू किया जाएगा। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने रेलवे पुनर्विकास कार्यक्रम से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए वास्तुविदों और योजनाकारों से मुलाकात की। बैठक में 54 फर्मों (कंपनियों) के कुल 110 पेशेवरों ने भाग लिया। बैठक में भारतीय रेलवे के 635 स्टेशनों के विकास के लिए एक विचार प्रतियोगिता श्रीजन शुरू की गई। इसके जरिए एक लाख करोड़ रुपये के निवेश से इन स्टेशनों का विकास किया जाएगा। जिसमें ठेकेदारों तथा डेवलपर्स के अलावा इंजीनियर्स, योजनाकारों, वास्तुविदों एवं अन्य पेशेवरों की व्यापक भागीदारी की भी आवश्यकता है। बैठक में रेल मंत्री ने भारतीय रेल की वित्तीय स्थिति और जनता की भुगतान क्षमता को ध्यान में रखते हुए कम कीमत पर जनता की यात्रा की आकांक्षाओं को पूरा करने वाले समाधान खोजने की आवश्यकता पर जोर दिया।